वार्षिक पाठ्यक्रम
सत्र : 2022-23
कक्षा – 7 (स्तर-2)
विषय – हिंदी

(वसंत भाग 2) पाठ संख्या और नाम	विधा / विषय-वस्तु	व्याकरण और रचनात्मक लेखन	अधिगम संप्राप्ति	संदर्भ/सुझावात्मक क्रियाकलाप
पाठ. 1 **हम पंक्षी उन्मुक्त गगन के** (शिवमंगल सिंह सुमन)	**कविता/ स्वतंत्रता** पक्षियों के माध्यम से मनुष्य की पराधीनता की पीड़ा को समझाने का प्रयास	**पूर्ववर्ती कक्षाओं से लिए गए विषय वस्तु** **कक्षा 5** विशेषण: पहचान **का. सं. 39A** **कक्षा 6** विशेषण: प्रयोग **का. सं. 9** **कक्षा 7** विशेषण: भेद **का. सं. 13** पाठान्तार्गत व्याकरणिक बिंदु- द्वंद्व समास पशु/पक्षी/पर्यावरण पर आधारित पठित/अपठित पद्यांश का अभ्यास	• कविता विधा से परिचित होंगे, • भावानुकूल सस्वर वाचन की कोशिश करेंगे, • प्राकृतिक परिवेश, पशु-पक्षियों के प्रति जिज्ञासु होंगे, • चिड़िया के खान-पान, रहन-सहन परिवेश आदि के बारे में जान सकेंगे, • विभिन्न चिड़िया के नाम और स्वरुप को गौर करेंगे, • पशु-पक्षी के प्रति संवेदनशील होंगे, • पक्षियों के माध्यम से मनुष्य की पराधीनता की पीड़ा को समझने का प्रयत्न करेंगे, • परतंत्र भारत के निवासियों की पीड़ा और ब्रिटिश गुलामी से स्वतंत्रता की उत्कट अभिलाषा को जान सकेंगे, • कल्पनाशीलता का विकास होगा, • पाठान्तर्गत प्रयुक्त नए शब्दों एवं व्याकरणिक बिन्दुओं से परिचित होते हुए उनका भाषिक प्रयोग कर सकेंगे	• कार्यपत्रक सं. 7-8 • पशु/पक्षियों को पिंजरे में रखने के औचित्य पर वाद-विवाद
पाठ. 2 **दादी माँ** (शिवप्रसाद सिंह)	**कहानी/ परिवार** लेखक और उसकी दादी के परस्पर स्नेह और ममतापूर्ण संबंधों को दर्शाती कहानी	**पूर्ववर्ती कक्षाओं से लिए गए विषय वस्तु** **कक्षा 5** भाषा और लिपि: पहचान **कक्षा 6** भाषा और लिपि: प्रयोग **कक्षा 7** • भाषा और लिपि – आँचलिक	• कहानी विधा से परिचित होंगे, • आदर्श वाचन में सक्षम होंगे, • परिवार में दादानानी आदि -नाना ,दादी - अपने संदर्भ में बुजुर्गों के महत्त्व को ,अनुभव कर सकेंगे • स्नेह और ममता की मूर्ति के रूप में दादीनानी बच्चों के लिए किस प्रकार / इस तथ्य से ,अभयदान की स्रोत होती हैं ,अवगत हो सकेंगे	• कार्यपत्रक सं. 9-13 • 'बुजुर्गों के प्रति हमारा कर्तव्य' पर समूह चर्चा

		भाषा • पाठान्तार्गत व्याकरणिक बिंदु- समानता का बोध कराने वाले शब्द जैसे- सा,सी,से आदि • वाक्य में क्रिया का दो बार प्रयोग क्रिया को जोर देने के लिए किया जाता है जैसे – पूछ-पूछकर,छू-छूकर आदि। ऐसे शब्दों से वाक्य निर्माण • आँचलिक/बोलचाल के शब्दों का संग्रह • बुजुर्गों की संवेदना पर आधारित पठित/अपठित गद्यांश का अभ्यास • अपनी दादी/नानी को संबोधित किसी भी विषय पर अनौपचारिक पत्र का अभ्यास- **का. सं.** 142A	• पारिवारिक रहन ,सहन परम्परा- • भावोंप्रदान -विचारों के आपसी आदान - ,में समर्थ होगें • पाठान्तर्गत प्रयुक्त नए शब्दों से परिचित होते हुए उनका प्रयोग कर सकेंगे , • पाठान्तर्गत प्रयुक्त व्याकरणिक बिन्दुओं के अवगत होते हुए उनका भाषिक प्रयोग करने में समर्थ होंगे।	
पाठ. 4 **कठपुतली** **(**भवानी प्रसाद मिश्र)	**कविता/ स्वतंत्रता** कठपुतलियों के माध्यम से स्वतंत्रता की इच्छा को दर्शाने वाली कविता	**पूर्ववर्ती कक्षाओं से लिए गए विषय वस्तु** **कक्षा 5** सर्वनाम: पहचान **का. सं. 10** **कक्षा 6** सर्वनाम: प्रयोग **का. सं. 7** **कक्षा 7** • सर्वनाम के भेद ये, मेरे, इन्हें,मुझे,हमेंआदि का सर्वनाम के भेदों के अनुसार वर्गीकरण **का. सं. 25, 27** • पाठान्तार्गत व्याकरणिक बिंदु- दो शब्दों के जुड़ने से उनके मूल रूप में परिवर्तन जैसे- काठ और पुतली मिलकर	• कविता विधा से परिचित होंगे, • भावानुकूल सस्वर वाचन की कोशिश करेंगे, • गुलामी/ परतंत्रता की पीड़ा को समझ सकेंगे, • स्वतंत्रता/ आज़ादी के महत्त्व को समझ पाएंगे, • क्षेत्रीय और पारंपरिक खेलों, मनोरंजन के साधनों और गतिविधियों के प्रति जिज्ञासु होंगे, • पाठान्तर्गत प्रयुक्त व्याकरणिक बिन्दुओं के अवगत होते हुए उनका भाषिक प्रयोग करने में समर्थ होंगे,	• कार्यपत्रक सं. 14-15 • पुराने कपड़े / अखबार/ बेकार वस्तुओं से गुड़िया बनाना

		कठपुतली बनते हैं। इसी प्रकार दो शब्दों को मिलाकर नए शब्द का निर्माण • भाषा में प्रचलित शब्द युग्मों में परिवर्तन करना जैसे आगे-पीछे का पीछे-आगे आदि। • स्वतंत्रता दिवस पर अनुच्छेद/निबंध लेखन/ चित्र वर्णन का अभ्यास		
पाठ. 6 **रक्त और हमारा शरीर** **(**यतीश अग्रवाल)	**निबंध/ ज्ञान-विज्ञान** रक्त, उसकी संरचना तथा मानव शरीर के लिए उसके महत्त्व को बताता वैज्ञानिक निबंध	**पूर्ववर्ती कक्षाओं से लिए गए विषय वस्तु** **कक्षा 5** मुहावरे: अर्थ **कक्षा 6** मुहावरे: वाक्य प्रयोग **कक्षा 7** • मुहावरे : पाठ में आए मुहावरों का अर्थ एवं उनका वाक्य प्रयोग • पाठान्तार्गत व्याकरणिक बिंदु-वाक्य में एक ही शब्द का दो बार प्रयोग जैसे- होते-होते,किनारे-किनारे,दूर-दूर आदि। इसी प्रकार के अन्य शब्दों का वाक्य प्रयोग • रक्तदान का महत्त्व विषय पर अनुच्छेद/निबंध लेखन/ चित्र वर्णन का अभ्यास	• निबंध' शब्द से परिचित होते हुए इस विधा के बारे में जान सकेंगे, • भावानुकूल एवं आदर्श वाचन में सक्षम होंगे, • इस विज्ञान विषयक पाठ के माध्यम से हमारे शरीर और रक्त संरचना को जान सकेंगे, • रक्त के निर्माण,उसकी उपयोगिता और हमारे शरीर के लिए उसके महत्त्व को जान सकेंगे, • रक्त से जुड़े कई शब्द यथा- स्लाइड, सूक्ष्मदर्शी, प्लाज्मा, बिम्बाणु (प्लेटलेट्स) आदि से परिचित होंगे, • रक्त की कमी से होनेवाली बीमारियों एवं उसके प्रभाव से अवगत होंगे, • रक्त अथवा खून की कमी को कैसे पूरा किया जा सकता है, इस तथ्य को जान सकेंगे, • अपने आहार एवं शरीर के प्रति सजग होंगे, • पाठान्तर्गत प्रयुक्त व्याकरणिक बिन्दुओं के अवगत होते हुए उनका भाषिक प्रयोग करने में समर्थ होंगे,	• कार्यपत्रक सं. 22,24,26,28,29 • रक्त/शरीर के अंगों से संबंधित मुहावरों का उनके अर्थ एवं वाक्य प्रयोग के साथ संकलन
पाठ. 7 **पापा खो गए** **(**विजय तेंदुलकर)	**नाटक/ बाल-मनोविज्ञान** निर्जीव वस्तुओं और सजीव जीवों के चरित्र के माध्यम से बाल-मनोविज्ञान को दर्शाता मनोरंजक नाटक	**पूर्ववर्ती कक्षाओं से लिए गए विषय वस्तु** **कक्षा 5** विराम चिह्न :पहचान **का. सं. 112 A,**	• 'नाटक' शब्द से परिचित होते हुए इस विधा से परिचित होंगे, • एकांकी/ लघुनाटिका शब्द से परिचित होंगे, • भावानुकूल एवं आदर्श वाचन में सक्षम	• कार्यपत्रक सं. 16-21 • संवाद लेखन : दो या दो से अधिक निर्जीव वस्तुओं के बीच कल्पना पर आधारित संवाद

		विलोम शब्द:पहचान **का. सं. 135A** **कक्षा 6** विलोम शब्द :प्रयोग **कक्षा 7** पाठान्तार्गत व्याकरणिक बिंदु- • विराम चिह्नों का वाक्य में प्रयोग • विलोम शब्दों का वाक्य में प्रयोग • अपनी किसी वस्तु के खोने की सूचना देते हुए थानाध्यक्ष को पत्र	होंगे, • नाटक के विभिन्न तत्व यथा पात्र, संवाद, घटनाक्रम आदि से परिचित होंगे, • संवाद के माध्यम से वाचन कौशल को समृद्ध कर सकेंगे, • अपनी कल्पनाशक्ति का विस्तार कर सकेंगे, • पाठान्तर्गत प्रयुक्त व्याकरणिक बिन्दुओं के अवगत होते हुए उनका भाषिक प्रयोग करने में समर्थ होंगे	लेखन

- **उपरोक्त पाठ्यक्रम 30 सितम्बर 2022 तक पूरा करवाना अनिवार्य है।**
- **मध्यावधि परीक्षा हेतु पाठ्यक्रम की पुनरावृत्ति करवाई जाए।**
- **दिया गया पाठ्यक्रम मूल्यांकन हेतु है । ध्यातव्य है कि शेष पाठ्य-वस्तु अधिगम संवृद्धि के उद्देश्य मात्र है।**
- **ध्यातव्य है कि पूरक पाठ्य-पुस्तक "बाल महाभारत" कक्षा-7 अधिगम संवृद्धि (Learning Enrichment) के उद्देश्य मात्र से हैं । गत परीक्षाओं में इन पूरक पुस्तकों से प्रश्न नहीं पूछे गए हैं । अधिगम संवृद्धि (Learning Enrichment) के उद्देश्यों की पूर्ति हेतु इनका उपयोग किया जा सकता है।**

मध्यावधि परीक्षा

(वसंत भाग 2) पाठ संख्या और नाम	विधा / विषय-वस्तु	व्याकरण और रचनात्मक लेखन	अधिगम संप्राप्ति	संदर्भ/सुझावात्मक क्रियाकलाप
पाठ.10 **अपूर्व अनुभव** (तेत्सुको कुरियानागी)	**संस्मरण (जापानी)/ संवेदना** दिव्यांग बच्चे के पेड़ पर चढ़ने के सपनों को पूरा करने की संस्मरणात्मक कहानी	**पूर्ववर्ती कक्षाओं से लिए गए विषय वस्तु** **कक्षा 5** नए शब्द जोड़कर शब्द निर्माण **कक्षा 6** उपसर्ग और प्रत्यय :पहचान **कक्षा 7**	• संस्मरण' शब्द से परिचित होते हुए इस विधा के बारे में जान सकेंगे, • भावानुकूल एवं आदर्श वाचन में सक्षम होंगे, • दिव्यांगजनों के प्रति संवेदनशील होंगे, • दिव्यांगजनों के आत्मविश्वास और आत्मनिर्भरता की भावना का सम्मान कर सकेंगे,	• कार्यपत्रक सं. 31,33,35,37,39 • ऐसे दिव्यांग जनों की सूची बनाना और उनके बारे में संक्षिप्त जानकारी एकत्र करना जिन्होंने शारीरिक अक्षमता के बावजूद दुनिया में अपनी एक पहचान बनाई है।

		उपसर्ग और प्रत्यय द्वारा नए शब्दों का निर्माण पाठान्तार्गत व्याकरणिक बिंदु- • संख्यावाची शब्द जैसे- द्विशाखा , त्रिकोण आदि की जानकारी • आना प्रत्यय से शब्द निर्माण • दिव्यांग जनों के प्रति हमारा नजरिया विषय पर अनुच्छेद/निबंध लेखन/ चित्र वर्णन का अभ्यास	• दिव्यांग मित्रों के साथ बिना किसी भेदभाव के समान रूप से व्यवहार करेंगें, • अन्य देशों और भाषाओं के साहित्य से परिचित होंगे, • पाठान्तर्गत प्रयुक्त व्याकरणिक बिन्दुओं के अवगत होते हुए उनका भाषिक प्रयोग करने में समर्थ होंगे,	
पाठ.11 **रहीम के दोहे** (रहीम)	**दोहे/भाषा और संस्कृति** जीवन जीने की कला को समझाते हुए रहीम के प्रसिद्ध दोहों का संकलन	**पूर्ववर्ती कक्षाओं से लिए गए विषय वस्तु** **कक्षा 6** तत्सम और तद्भव शब्द: पहचान **कक्षा 7** तत्सम और तद्भव शब्द: पहचान और उनका वाक्य प्रयोग पाठान्तार्गत व्याकरणिक बिंदु- • ब्रजभाषा या आँचलिक भाषा के शब्दों के प्रचलित हिंदी रूप • वर्णों की आवृत्ति वाले वाक्य • अपनी किसी मित्र/सहेली को अच्छे कार्य करने की प्रेरणा देते हुए पत्र लेखन • जीवन मूल्यों पर आधारित पठित/अपठित पद्यांश का अभ्यास	• दोहा विधा से परिचित होंगे, • भावानुकूल सस्वर वाचन की कोशिश करेंगे, • पाठ में दिए गए रहीम के दोहों का अर्थ समझ सकेंगे, • प्रत्येक दोहों में सन्निहित भाव एवं सीख से परिचित होंगे, • सच्ची मित्रता की कसौटी को जान सकेंगे, • वास्तविक लगाव को समझ पाएंगे, • परोपकार की भावना को सोदाहरण समझ पाएंगे, • सहनशक्ति और उदारता की भावना को सोदाहरण समझ पाएंगे, • पाठान्तर्गत प्रयुक्त व्याकरणिक बिन्दुओं के अवगत होते हुए उनका भाषिक प्रयोग करने में समर्थ होंगे,	• कार्यपत्रक सं. 30,32 विद्यालय और घर के मित्रों के बारे में जानकारी एकत्र करते हुए एक सुंदर स्क्रैप-बुक का निर्माण

पाठ. 12 **कंचा** (टी. पद्मनाभन)	**कहानी/बाल मनोविज्ञान** बाल मनोविज्ञान पर आधारित एक बच्चे की कहानी जिसके मन में कंचों को पाने के प्रति लालसा है।	**पूर्ववर्ती कक्षाओं से लिए गए विषय वस्तु** **कक्षा 5** वचन: पहचान **कक्षा 6** वचन के भेद **कक्षा 7** वचन परिवर्तन के अनुसार वाक्य परिवर्तन पाठान्तार्गत व्याकरणिक बिंदु- • पाठ में आए मुहावरे, अर्थ और वाक्य प्रयोग • एक से अधिक शब्दों वाले विशेषण जैसे- **बढ़िया सफ़ेद गोल** कंचे • अपने घर के आस-पास खेल का मैदान उपलब्ध कराने के लिए नगर विकास अधिकारी को पत्र • मित्रता पर आधारित पठित/अपठित गद्यांश का अभ्यास	आदर्श एवं अनुकरण वाचन, कठिन शब्दों की पहचान एवं उनके सरलार्थ, मूल कथानक का भाव-विश्लेषण, प्रश्नोत्तर एवं पाठान्तर्गत प्रयुक्त व्याकरणिक बिन्दुओं का अभ्यास	• कार्यपत्रक सं. 34,36,40 • वाद-विवाद: गली मोहल्ले में खेले जाने वाले खेलों का स्थान मोबाइल फ़ोन ने ले लिया है। यह कितना उचित?
पाठ.15 **नीलकंठ** (महादेवी वर्मा)	**कहानी/संवेदना** नीलकंठ और राधा नामक मोर और मोरनी का रेखाचित्र जिसमें दोनों के जीवन के बहुआयामी रंगों को दर्शाया गया है।	**पूर्ववर्ती कक्षाओं से लिए गए विषय वस्तु** **कक्षा 5** लिंग: पहचान **कक्षा 6** लिंग के भेद और उनका प्रयोग **कक्षा 7** लिंग परिवर्तन के अनुसार वाक्य परिवर्तन पाठान्तार्गत व्याकरणिक बिंदु- • एक शब्द से अन्य शब्दों का निर्माण जैसे- 'रूप' शब्द से कुरूप , स्वरुप, बहुरूप आदि शब्द।	• 'रेखाचित्र' शब्द से परिचित होते हुए इस विधा के बारे में जान सकेंगे, • सस्वर आदर्श वाचन में सक्षम होंगे, • प्राकृतिक परिवेश, पशु-पक्षियों के प्रति जिज्ञासु होंगे, • चिड़िया के खान-पान, रहन-सहन परिवेश आदि के बारे में जान सकेंगे, • विभिन्न चिड़िया के नाम और स्वरुप को गौर करेंगे, • पशु-पक्षियों के प्रति संवेदनशील होंगे, • राष्ट्रीय पक्षी मोर के बारे में अधिक जिज्ञासु होकर उनसे सम्बंधित जानकारियां एकत्रित कर सकते हैं, • मनुष्य और पक्षियों के बीच के आपसी	समूह चर्चा: पशु/पक्षियों को घर में पालना सही या गलत?

		• पाठ में दी गई संधि का अभ्यास • मोहल्ले में घूम रहे आवारा पशुओं के उचित रख-रखाव की व्यवस्था हेतु नगर निगम के अधिकारी को पत्र	सम्बन्धों को जान सकेंगे, • कल्पनाशीलता का विकास होगा, • पाठान्तर्गत प्रयुक्त व्याकरणिक बिन्दुओं के अवगत होते हुए उनका भाषिक प्रयोग करने में समर्थ होंगे	
पाठ. 17 **वीर कुँवर सिंह** (विभागीय)	**जीवनी/संवेदना** 1857 की क्रांति के नायकों में से एक वीर कुंवर सिंह के जीवन पर आधारित पाठ	**पूर्ववर्ती कक्षाओं से लिए गए विषय वस्तु** **कक्षा 5** लिंग: पहचान **कक्षा 6** लिंग के भेद और उनका प्रयोग **कक्षा 7** लिंग परिवर्तन के अनुसार वाक्य परिवर्तन पाठान्तार्गत व्याकरणिक बिंदु- • एक शब्द से अन्य शब्दों का निर्माण जैसे- 'रूप' शब्द से कुरूप , स्वरुप, बहुरूप आदि शब्द। • पाठ में दी गई संधि का अभ्यास • भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन पर आधारित पठित/अपठित गद्यांश का अभ्यास	• जीवनी' शब्द से परिचित होते हुए इस विधा के बारे में जान सकेंगे, • भावानुकूल एवं आदर्श वाचन में सक्षम होंगे, • वीर कुँवर सिंह के जीवन, व्यक्तित्व, देशभक्ति और स्वाधीनता संग्राम में उनके योगदान को जान सकेंगे, • 1857 के स्वाधीनता संग्राम एवं उसके सेनानियों के बारे में जान सकेंगे, • राष्ट्रीय स्वाधीनता संग्राम के विभिन्न घटनाक्रमों और उनसे जुड़े व्यक्तियों के प्रति जिज्ञासु होंगे, • पाठान्तर्गत प्रयुक्त व्याकरणिक बिन्दुओं के अवगत होते हुए उनका भाषिक प्रयोग करने में समर्थ होंगे	1857 की क्रांति से संबंधित भारत के अमर सपूतों के सचित्र और संक्षिप्त विवरण के साथ सूची तैयार करना

- **उपरोक्त पाठ्यक्रम 31 जनवरी 2023 तक पूरा करवाना अनिवार्य है।**
- **वार्षिक परीक्षा में संपूर्ण पाठ्यक्रम का मूल्यांकन किया जाएगा।**
- **वार्षिक परीक्षा हेतु संपूर्ण पाठ्यक्रम की पुनरावृत्ति करवाई जाए।**
- **दिया गया पाठ्यक्रम मूल्यांकन हेतु है । ध्यातव्य है कि शेष पाठ्य-वस्तु अधिगम संवृद्धि के उद्देश्य मात्र है।**
- **ध्यातव्य है कि पूरक पाठ्य-पुस्तक "बाल महाभारत" कक्षा-7 अधिगम संवृद्धि (Learning Enrichment) के उद्देश्य मात्र से हैं | गत परीक्षाओं में इन पूरक पुस्तकों से प्रश्न नहीं पूछे गए हैं । अधिगम संवृद्धि (Learning Enrichment) के उद्देश्यों की पूर्ति हेतु इनका उपयोग किया जा सकता है।**

वार्षिक परीक्षा